STEPPING STONE
SCHOOL (HIGH)

CLASS :9

Subject: 2nd language Hindi
Date: 12.06.20
Topic: Hindi Literature
Limit: 40mins

Worksheet No.:18

[Copy the questions and solve them on a sheet of paper date wise. Keep the worksheets ready in a file to be submitted on the opening day.]

साहित्य सागर:::गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि---गिरिधर कविराय

Scanned by TapScanner

2. गिरिधर की कुंडलियाँ

(गिरिधर)

कवि का परिचय

गिरिधर कविराय के जीवन के बारे में अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। श्री शिव सिंह ने उनका जन्म संवत् 1770 दिया है। उनका कविता-काल संवत् 1800 के उपरांत ही माना जा सकता है।

गिरिधर कवि ने नीति, वैराग्य और अध्यात्म को ही अपनी कविता का विषय बनाया है। जीवन के व्यावहारिक पक्ष का इनके काव्य में प्रभावशाली वर्णन मिलता है जिसकी पैठ जनमानस में बहुत गहरी है। इसीलिए इनकी नीति-संबंधी कुंडलियाँ जनमानस में बहुत लोकप्रिय हैं। इस लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण है बिल्कुल सरल, सहज, व्यावहारिक तथा सीधी-सादी भाषा में गंभीर तथा नीति परक तथ्यों का कथन। कुंडलियों में ही इन्होंने अपने समस्त काव्य की रचना की।

गिरिधर कविराय ग्रंथावली में इनकी पाँच सौ से अधिक कुंडलियाँ संकलित हैं।

Scanned by TapScanner

• शब्दार्थ :- लटपट - लड़खड़ाते हुए,
बरू - चाहे, धामें माँ - चूप में,
पतरो - पतला / दुर्बल, बयारि - हवा / आँधी,
सुमिरन - स्मरण / याद, पर-स्वारथ - परोपकार,
सुचाल - अच्छी चाल, पानी - इज्ज़त,
अनबोले - चुप, काजा - काम,
आतुर - उतावला, अनखैहैं - नाराज़ ॥

• निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए /

प्र०: 1 कवि ने कैसे पेड़ की छाया को ग्रहण करने के लिए कहा है तथा क्यों ?

प्र०: 2 नाव में पानी भर जाने का क्या परिणाम होता है? हमारे पास यदि आवश्यकता से अधिक धन है तो हमें क्या करना चाहिए ?

प्र०: 3 कवि ने राजा के दरबार में जाते समय किन - किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक बताया है ? कवि कुंडलियों के माध्यम से हमें क्या शिक्षा दे रहे हैं ?

प्र०: 4 शब्दार्थ याद कीजिए /

प्र०: 5 कवि का संक्षिप्त परिचय याद कीजिए /

Scanned by TapScanner